Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 5

कांग्रेस प्रणाली चुनौतियाँ और पुर्नस्थापना

भाग - 3

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

चुनावों का जनादेश

फरवरी 1967 में चौथे आम चुनाव

- नेहरू के बिना पहली बार कांग्रेस का सामना
- चुनाव परिणाम में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर कांग्रेस को धक्का
  - इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल के आधे मंत्री चुनाव हारे
  - जैसे–तैसे लोकसभा में बहुमत लेकिन प्राप्त सीटों एवं मतों के प्रतिशत में भारी कमी
  - 7 राज्यों में बहुमत नहीं मिला
  - दो अन्य राज्यों में दल–बदल के कारण कांग्रेस की सरकार त्क्यों बनीं
  - ये 9 राज्य देश के हर भाग में कायम
- राजनीतिक भूकंप की संज्ञा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

एक विचित्र अनुभव

- ‘मद्रास प्रांत’ में एक क्षेत्रीय पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कखगम पूर्ण बहुमत के सत्ता पाने में कामयाब रही।
- द्रविड़ मुनेत्र कखगम (छस्त्र) हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर सत्ता में आई।
- यहां के घात हिंदी को राजभाषा के रूप में केन्द्र द्वारा अपने ऊपर थोपने का विरोध कर रहे थे।
- चुनावी इतिहास में पहली घटना जब किसी गैर कांग्रेसी दल को किसी राज्य में पूर्ण बहुमत मिला।
- आठ अन्य राज्यों में विभिन्न गैर- कांग्रेसी दलों की गठबंधन सरकारी बनी।
- लोग कांग्रेस को सत्तासीन देखने के अभ्यस्त थे - उनके लिए ये एक विचित्र अनुभव।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

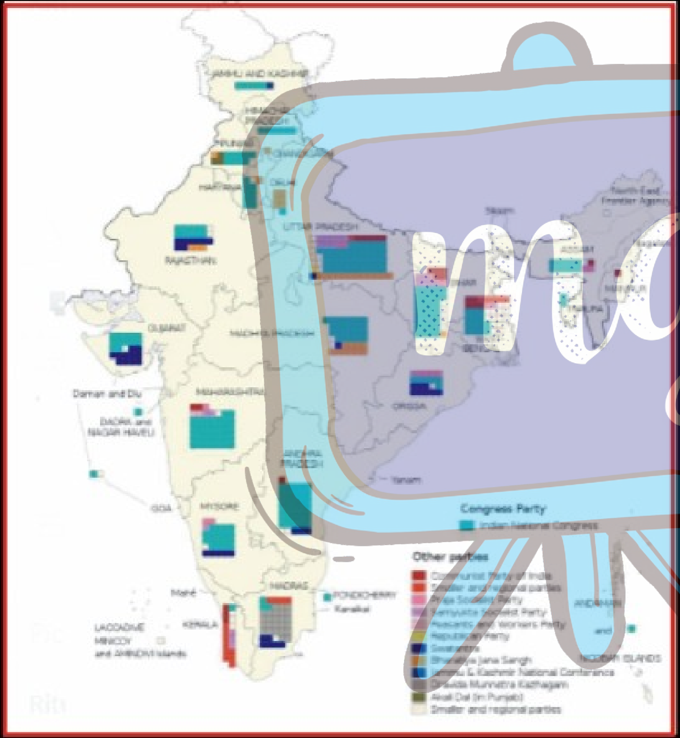

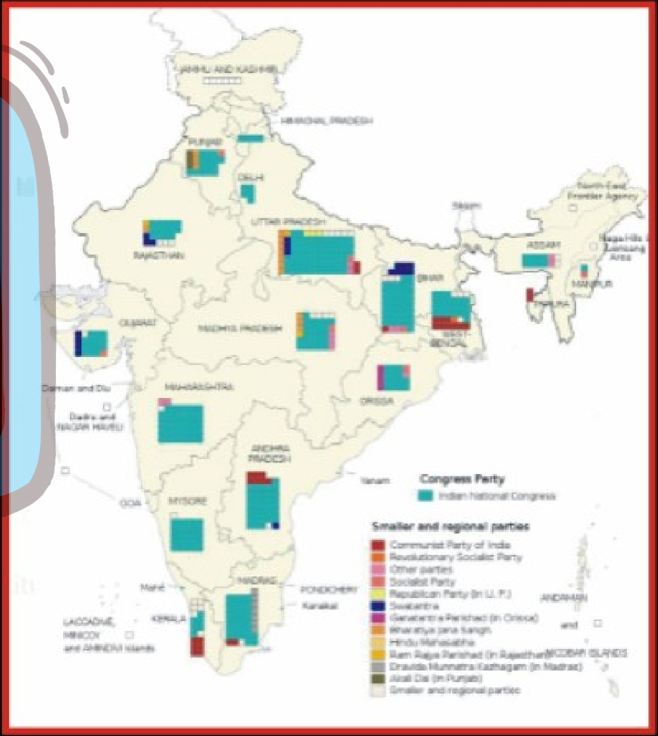

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

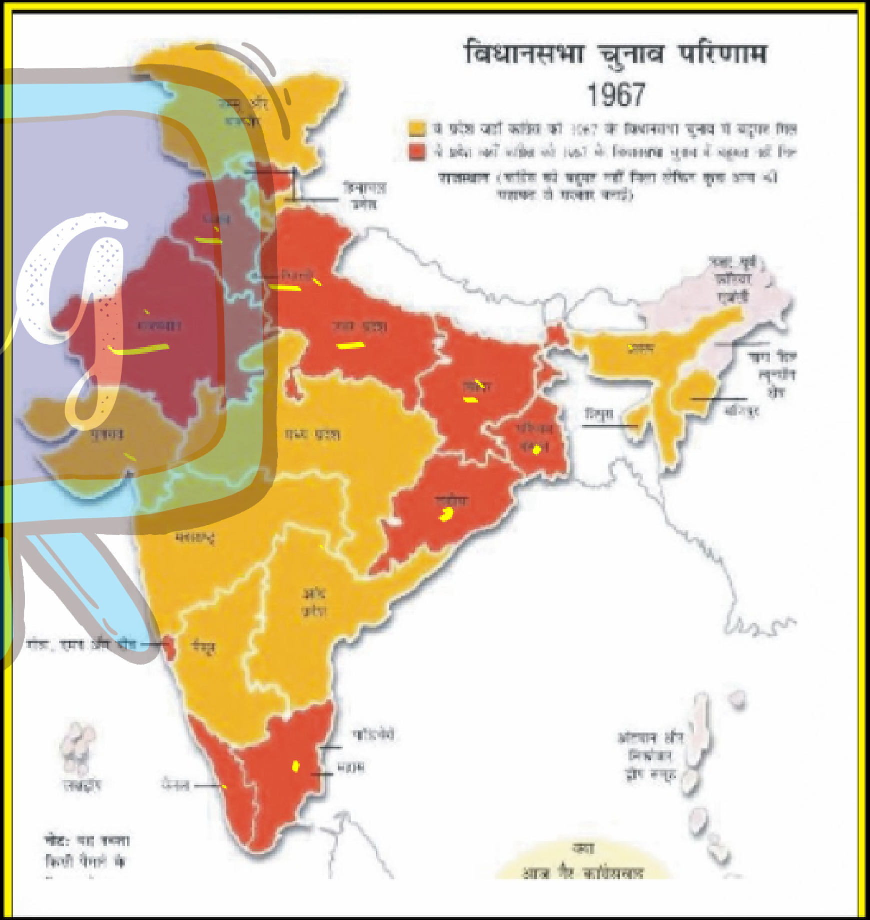

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

दल-बदल

- 1967 के चुनावों की एक खास बात 'दल बदल'
- इसने राज्यों में सरकारों के बनने बिगड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दल-बदल :- कोई जनप्रतिनिधि किसी खास दल के चुनाव चिह्न को लेकर चुनाव लड़े और जीत जाए और जीतने के बाद इस दल को छोड़कर किसी दूसरे दल में शामिल हो जाये।

- 1967 के आम चुनावों के बाद कांग्रेस को छोड़ने वाले विधायकों ने तीन राज्यों - हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में गैर कांग्रेसी सरकारों को बहाल करने में अहम् भूमिका निभायी।

"दल-बदल पर रोक"

52 वें सं.सं. 1985

10 वीं अनुसूची

mg

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1967 में कांग्रेस की सत्ता कायम रही, लेकिन उसे पहले जितना बहुमत हासिल नहीं था।
- अन्य राज्यों में भी इस पार्टी के हाथ से सता जाती रहीं।
- चुनाव के नतीजों ने ये साबित कर दिया कि कांग्रेस को हराया जा सकता है।
- लेकिन अब भी कांग्रेस का कोई विकल्प नहीं था।
- राज्यों में बनी अधिकतर गैर-कांग्रेसी गठबंधन की सरकारें ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पायी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

इंदिरा बनाम सिंडिकेट

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

- इंदिरा गांधी को असली चुनौती विपक्ष से नहीं बल्कि खुद अपनी पार्टी से मिली।
- 'सिंडिकेट' कांग्रेस के भीतर प्रभावशाली नेताओं का एक समूह था। इसने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने में महत्वपूर्ण निभानी थी।
- 'सिंडिकेट' समूह को उम्मीद थी कि इंदिरा गांधी उनकी सलाहों पर अमल करेगी।
- जबकि इंदिरा गांधी ने सरकार और पार्टी के भीतर खुद का मुकाम बनाना शुरू किया।
- उन्होंने अपने सलाहाकारों और विश्वस्तों के समूह में पार्टी के बाहर के लोगों को रखा।
- धीरे धीरे बड़ी सावधानी से उन्होंने 'सिंडिकेट' को हाशिए पर ला खड़ा कर दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

इंदिरा गांधी के सामने दो चुनौतियां

- 'सिंडिकेंट' से स्वतंत्र मुकाम बनाना।
- 1967 के चुनाव में कांग्रेस द्वारा खायी जमीन को वापस पाना

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

इंदिरा की रणनीति

- उन्होंने साधारण से सत्ता संघर्ष को एक विचारधारात्मक संघर्ष में बदल दिया।
- उन्होंने सरकार की नीतियों को वामपंथी रंग देने के लिए कदम उठाये।
- मई 1967 में दस-सूत्री कार्यक्रम अपनाये-
  - बैंकों पर सामाजिक नियंत्रण।
  - आय बीमा के राष्ट्रीयकरण।
  - शहरी संपदा और आय के परिसीमन।
  - खाद्यान्न का सरकारी वितरण।
  - भूमि सुधार।
  - ग्रामीण गरीबों को आवासी भूखंड देना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1969 - डॉ. जाकिर हुसैन की मृत्यु होने के कारण।

राष्ट्रपति पद का चुनाव 1969

- सिंडिकेट और इंदिरा गांधी की गुटबाजी खुल कर सामने
  - इंदिरा गांधी असहमति
  - सिंडिकेट द्वारा एन. संजीव रेड्डी राष्ट्रपति के उम्मीदवार
    - क्योंकि एन. रेड्डी राजनीतिक अनबन
- इंदिरा गांधी द्वारा तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि को बढ़ावा
- कांग्रेस अध्यक्ष ने व्हिप जारी किया – सभी कांग्रेसी संसद और विधायक तक संजीव रेड्डी को वोट डाले।
  - इंदिरा गांधी की अंतरात्मा पर वोट डालने की अपील

परिणाम - वी.वी. गिरि विजयी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

12 Nov. 1969

कांग्रेस का विभाजन

अब आगे .... टूट गयी पार्टी :-

- कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को अपनी पार्टी से निसे निष्कासित कर दिया।
- निष्कासित प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा कि उसकी पार्टी ही असली कांग्रेस है।

दो टुकड़े

- सिंडिकेट का खेमा → कांग्रेस ऑर्गनाइजेशन → कांग्रेस (O) → पुरानी कांग्रेस
- इंदिरा गांधी का खेमा → कांग्रेस रिक्विजिनिस्ट → कांग्रेस (R) → नई कांग्रेस

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इंदिरा गांधी ने इस टूट को विचारधाराओं की लड़ाई के रूप में पेश किया।
- उन्होंने इसे 'समाजवादी और पुरातनपंथी' तथा गरीबों के हिमायती और अमीरों के तरफदार के बीच लड़ाई का करार दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1971 का चुनाव :-

पृष्ठभूमि

- एक साहसिक कदम
  - दिस. 1970 में लोकसभा भंग करने की सिफारिश
    - फरवरी 1971 में 5वें आम चुनाव
- कांग्रेस की टूट से इंदिरा गांधी की सरकार अल्पमत में
  - इस अरसे में सचेत रूप में अपनी छवि को समाजवादी रंग में पेश किया।
    - भूमि सुधार के मौजूदा कानूनों के क्रियान्वयन के लिए जबरदस्त अभियान चलाया
  - DMK, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समेत अन्य दलों से समर्थन लें। सरकार सत्ता में बनी रही।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मुकाबला

- कांग्रेस (O) के विपरीत जान पड़ रहा था।
  - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के साथ गठजोड़ किया
  - नई कांग्रेस एक जर्जर होती हुई पार्टी का हिस्सा भर
- सभी बड़ी गैर–साम्यवादी और गैर–कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों का चुनावी गठबंधन
  - ग्रैंड अलायंस
  - SSP, PSP, भारतीय जनसंघ, स्वतंत्र पार्टी, भारतीय क्रांतिदल सब एक छतरी के नीचे
- हर किसी का विश्वास कि असली ताकत कांग्रेस (O) में

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

"गरीबी हटाओ" का नारा

प्रीवी पर्स

26 वें सं.सं. 1971 के तहत

समाप्त

चुनावी की तैयार :-

- नई कांग्रेस के पास एक मुद्दा था। एक एजेंडा और कार्यक्रम था।
- 'ग्रैंड अलायंस' के पास कोई सुसंगत कार्यक्रम नहीं था।
- इंदिरा गांधी ने देश भर में लोगों के सामने एक सकारात्मक कार्यक्रम रखा और इसे अपने मशहूर नारे 'गरीबी हटाओ' के जरिए शक्ल प्रदान की।
- इंदिरा गांधी ने सार्वजनिक क्षेत्र की संवृद्धि ग्रामीण भू-स्वामित्व और शहरी संपदा के परिसीमन आय और अवसरों की असमानता की समाप्ति तथा 'प्रिवीपर्स' की समाप्ति पर अपने चुनाव अभियान में जोर दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम और उसके बाद :-

- कांग्रेस (R) + CPI के गठबंधन को लोकसभा की 578 में से 375 मिली।
- इसने कुल वोटों का 98.4 प्रतिशत वोट हासिल किये।
- अकेले कांग्रेस (R) ने 352 सीटें जीती और 44 प्रतिशत वोट प्राप्त किये।
- कांग्रेस (O), जिसमें पार्टी के बड़े-बड़े महारथी थे, को केवल 16 सीटें ही मिली।
- विपक्षी 'ग्रेंड अलायंस' को 40 से भी कम सीटें मिली थीं।

इंदिरा गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस ने साबित कर दिया था कि वही 'असली कांग्रेस' है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1971 के आमचुनाव की जीत में छिपी थी। अनेक चुनौतियां व समस्याएं

- आर. के. लक्ष्मण द टाइम्स ऑफ इंडिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1971 के लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद पूर्वी पाकिस्तान में एक बड़ा राजनीतिक और सैन्य संकट उठ खड़ा हुआ।
- भारत-पाक के बीच युद्ध छिड़ गया। जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश बना।
- इन घटनाओं से इंदिरा गांधी की लोकप्रियता में चार चांद लग गए।
- उन्हें गरीबी ओर वंचितों के रक्षक और मजबूत राष्ट्रवादी नेता के रूप में देखा गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

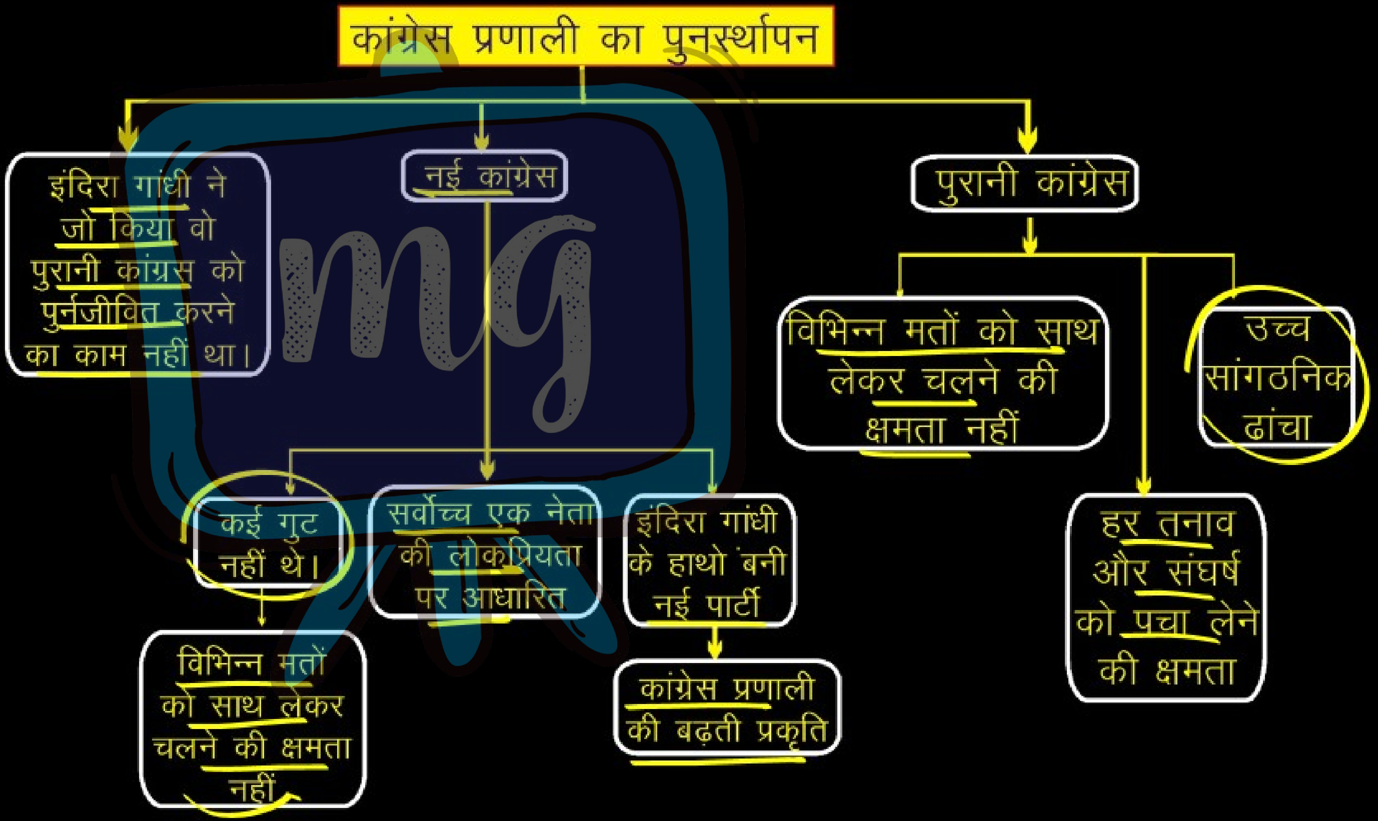

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत की और इंदिरा गांधी की राजनीतिक हैसियत अप्रत्याशित रूप से बढ़ी।
- लेकिन जनता की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति की लोकतांत्रिक जमीन छोटी पड़ती गयी।
- विकास और आर्थिक बदहाली के मुद्दों पर जनाक्रोश तथा लाभबंदी लगातार बढ़ती रही।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रश्न 1. 1971 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने कौनसे दल के साथ चुनावी गठबंधन बनाया ?

प्रश्न 2. 1971 के आम चुनावों में इंदिरा गांधी ने किन-किन मुद्दों पर अपने चुनाव अभियान में जोर दिया ?

प्रश्न 3. 1971 के लोकसभा के आम चुनाव में इंदिरा गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस ने कितनी सीटें जीती ?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. 1967 के चुनावों के बारे में निम्नलिखित में कौन-कौन से बयान सही हैं :

(क) कांग्रेस लोकसभा के चुनाव में विजयी रही, लेकिन कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव वह हार गयी।

(ख) कांग्रेस लोकसभा के चुनाव भी हारी और विधानसभा के भी।

(ग) कांग्रेस को लोकसभा में बहुमत नहीं मिला, लेकिन उसने दूसरी पार्टियों के समर्थन से एक गठबंधन सरकार बनायी।

(घ) कांग्रेस केन्द्र में सत्तासीन रही और उसका बहुमत भी बढ़ा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित का मेल करें:

(क)	सिंडिकेट	(i)	कोई निर्वाचित जन-प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से जीता हो, उस पार्टी को छोड़कर अगर दूसरे दल में चला जाये।
(ख)	दल-बदल	(ii)	लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाला एक मनभावन मुहावरा।
(ग)	नारा	(iii)	कांग्रेस और इसकी नीतियों के खिलाफ अलग अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना।
(घ)	गैर-कांग्रेसवाद	(iv)	कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का एक समूह।

उत्तर : (क) → (iv), (ख) → (i), (ग) → (ii), (घ) → (iii)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित नारे से किन नेताओं का संबंध है :

(क) जय जवान, जय किसान

(ख) इंदिरा हटाओ।

(ग) गरीबी हटाओ।

उत्तर :

(क) लाल बहादुर शास्त्री

(ख) सिंडिकेंट समूह।

(ग) इंदिरा गांधी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. 1971 के 'ग्रैंड अलायंस' के बारे में कौनसा कथन ठीक है?

(क) इसका गठन गैर-कम्युनिस्ट और गैर-कांग्रेसी दलों ने किया था।

(ख) इसके पास एक स्पष्ट राजनीतिक तथा विचारधारात्मक कार्यक्रम था।

(ग) इसका गठन सभी गैर-कांग्रेसी दलों ने एकजुट होकर किया था।

उत्तर : (क)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. किसी राजनीतिक दल को अपने अंदरूनी मतभेदों का समाधान किस तरह करना चाहिए? यहां कुछ समाधान दिए गए हैं। प्रत्येक पर विचार कीजिए और उसके सामने उसके फायदों और घाटों को लिखिए।

(क) पार्टी के अध्यक्ष द्वारा बनाए गए मार्ग पर चलन।

(ख) हरेक मामले पर गुप्त मतदान करना।

(ग) पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं से सलाह करना।

उत्तर : फायदा :–

(क) अध्यक्ष के बताए गए मार्ग पर चलने से दल में 'एकता एवं अनुशासन बना रहता है।'

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

(ख) बहुमत की राय से पार्टी के सदस्यों के बीच विश्वास बना रहता है और आंतरिक लोकतंत्र मजबूत होता है।

(ग) गुप्त मतदान निर्णय लेने का सबसे उपयुक्त तरीका है। यह सबसे अधिक लोकतांत्रिक है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी अभिव्यक्ति देता है।

(घ) निर्णय लेने में नए और कम अनुभवी दल के सदस्यों को अनुभवी नेताओं से सलाह लेने पर तुलनात्मक रूप से अधिक फायदा मिलता है। सही व दूरदर्शी निर्णय लेने में अनुभवी नेताओं की सलाह उपयोगी रहती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

घाटा :-

(क) संभव है कि अध्यक्ष बाकी सदस्यों की मत जाने बिना एकतरफा सब पर अपना निर्णय थोपे। इससे आंतरिक रोष उत्पन्न हो सकता है।

(ख) बहुमत की राय पर अमल करने से पार्टी के भीतर दलबंदी बढ़ सकती है। ऐसे में एक दल दूसरे दल को कमजोर करने की कोशिश करता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

(ग) गुप्त मतदान के द्वारा कई बार दल के सदस्य पार्टी अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये 'व्हिप' की अनदेखी कर देते हैं। ये पार्टी के लिए घातक साबित हो सकता है।

(घ) हर एक निर्णय वरिष्ठ नेताओं की सलाह से लेने से पार्टी की शक्ति उनके आस पास ही केन्द्रित हो जायेगी। कई बार वरिष्ठ नेता नव-परिवर्तनों की उपेक्षा भी करते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. निम्नलिखित में से किसे/किन्हें 1967 के चुनावों में कांग्रेस की हार के कारण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है? अपने उत्तर की पुष्टि में तर्क दीजिए।

(क) कांग्रेस पार्टी में करिश्माई नेता का अभाव।

(ख) कांग्रेस-पार्टी के भीतर टूट।

(ग) क्षेत्रीय, जातीय और साम्प्रदायिक समूहों की लाभबंदी को बढ़ाना।

(घ) कांग्रेस पार्टी के अंदर मतभेद।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) नेहरू के बाद प्रथम बार कांग्रेस ने चुनावों का सामना किया था। एक करिश्माई नेता अभाव हार के कारणों में एक माना जा सकता है।

(ख) गैर कांग्रेसी दलों ने कांग्रेस के खिलाफ एकजुटता की थी। अलग अलग विचारधाराओं वाले दल भी कांग्रेस को हटाने के लिए एकजुट हो एक मंच पर आ गये थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ग) कांग्रेस पार्टी के भीतर मतभेद थे, कांगेस के अंदर गुटबंदी की पूरी झलक पार्टी के उम्मीदवारों के चन में प्रतिबिंबित होती थी। बहुत से कांग्रेसियों को भेदभावपूर्ण तरीके से टिकट से वंचित रखा गया। अब इन उम्मीदवारों ने राज्य स्तरीय विक्षुब्ध गुटों के सदस्य के रूप में कांग्रेस के प्रत्याशियों के खिलाफ खड़े होने का निर्णय लिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई थी?

उत्तर : 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सरकार निम्न कारणों से लोकप्रिय हुई –

(i) 'गरीबी हटाओ' अभियान
(ii) प्रिवीपर्स की समाप्ति
(iii) बैंकों का राष्ट्रीयकरण
(iv) ग्रामीण भू-स्वामित्व और शहरी संपदा का परिमीपन
(v) सामाजिक व आर्थिक विषमताओं व असमानताओं की समाप्ति

(vi) भूमिहीन किसानों के लिए सुविधायें।

(vii) दलित व आदिवासियों के लिए विशेष कार्यक्रम

(viii) भारत-पाक युद्ध में विजय

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8. 1960 के दशक की कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में 'सिंडिकेट' का क्या अर्थ है? सिंडिकेट में कांग्रेस पार्टी में क्या भूमिका निभाई।

उत्तर : 1960 के दशक में कांग्रेस के भीतर ताकतवर व प्रभावकारी नेताओं के समूह को 'सिंडिकेट' के नाम से जाना जाता था।

इस संगठन के नेताओं का कांग्रेस पार्टी पर नियंत्रण था। लाल बहादुर शास्त्री व इंदिरा गांधी 'सिंडिकेट' के सहयोग से ही प्रधानमंत्री बने थे।

सरकार के नीति निर्धारण व क्रियान्वयन में सिंडिकेंट की अहम भूमिका रही।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

9. कांग्रेस पार्टी किन मसलों को लेकर 1969 में टूट की शिकार हुई?

उत्तर : 1967 के चुनाव के बाद कांग्रेस के बीच आंतरिक स्तर पर सत्ता संघर्ष प्रारम्भ हो गया था। कांग्रेस में 'सिंडिकेट' समूह सरकार पर नियंत्रण करना चाहता था परन्तु इंदिरा गांधी धीरे धीरे अपना नियंत्रण सरकार पर बनने के प्रयास में लगी थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1969 में राष्ट्रपति के चुनाव में 'सिंडिकेट' समर्थक एन. संजीव रेड्डी को कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार के सामने इंदिरा गांधी ने अपने स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ. वी. वी. गिरि को खड़ा किया एवं उनकी जीत भी निश्चित की।
- इंदिरा गांधी को पार्टी से निकाला गया।
- कांग्रेस टूट की शिकार हुई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़ें और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :

इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को अत्यंत केन्द्रीकृत और अलोकतांत्रिक पार्टी संगठन में तब्दील कर दिया, जबकि नेहरू के नेतृत्व में कांग्रे शुरूआती दशकों में एक संघीय, लोकतांत्रिक और विचारधाराओं के समाहार का मंच थी। नयी और लोकलुभावन राजनीति ने राजनीतिक विचारधारा को महज चुनावी विमर्श में बदल दिया। कई नारे उछाले गये, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि उसी के

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अनुकूल सरकार की नीतियां भी बनानी थीं - 1970 के दशक के शुरुआती सालों में अपनी बड़ी चुनावी जीत के जश्न के बीच कांग्रेस एक राजनीतिक संगठन के तौर पर मर गयी।

(क) लेखक के अनुसार नेहरू और इंदिरा गांधी द्वारा अपनायी गयी रणनीतियों में क्या अंतर था?

(ख) लेखक ने क्यों कहा कि सत्तर के दशक में कांग्रेस 'मर गई'?

(ग) कांग्रेस पार्टी में आए बदलावों का असर दूसरी पार्टियों पर किस तरह पड़ा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) नेहरू के समय कांग्रेस एक संघीय लोकतांत्रिक और विचारधाराओं को समाहित करने वाली पार्टी थी जबकि इंदिरा गांधी के समय यह अत्यंत केन्द्रीकृत और अलोकतांत्रिक दल बन गया था।

(ख) सत्ता के दशक में कांग्रेस के पास लोक लुभावन नारे थे एवं वोट तथा सत्ता की राजनीति थी। इसलिए लेखक ने कहा कि सत्तर के दशक में कांग्रेस 'मर गयी'।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

(ग) 1967 के चुनावों में गैर कांग्रेसवाद की राजनीति का प्रारम्भ हो गया तथा 9 राज्यों में गैर कांग्रेस सरकारें बनी। 1971 के चुनावों में भी कांग्रेस के विरूद्ध मुख्य विरोधी दलों ने 'ग्रैंड अलाइंस' बनाया